महत्वपूर्ण एवं खास

ऊंचाई से गिरने पर श्रमिक की मौत, जेएसपीएल के एसएमएस-2 कुलिंग डक्ट की घटना

रायगढ़। थाना कोतरारोड के मर्ग क्र. 27/2021 धारा 174 जा0फौ0 के मृतक प्रदीप कुमार प्रधान पिता मनोज प्रधान उम्र 26 साल साकिन किरोडीमलनगर पतरापाली थाना कोतरारोड की जांच पर पाया गया कि प्रदीप कुमार प्रधान, एसएलवी इंजीनियरिंग वर्कस कंपनी के ठेकेदार सतीष नायक के अंडर में जेएसपीएम कंपनी पतरापाली के एसएमएस 2 के डक्ट लाईन में लायेन्सर का काम करता था। दिनांक 21.04.2021 के रात्रि 8.00 बजे प्रदीप ड्यूटी पर गया था, जेएसपीएल कंपनी के मैनेजर निशांत, असि. मैनेजर अविनाश आर्य, आमिल सोहेल, ठेकेदार सतीष नायक के सुपरवाईजर बाटागोड कृष्णा के देखरेख में कुलिंग डक्ट में संजय अग्रवाल, प्रदीप दोनों सेप्टी सुरक्षा हेतु बेल्ट पहने बगैर 22 से 25 मीटर उचाई में चढ कर डक्ट पाईप अंदर घुस कर पाईप कटिंग का काम कर रहे थे, तभी तकरीबन 9.40 बजे प्रदीप प्रधान का पैर फिसल जाने से पाईप अंदर से 22-25 मीटर उंचाई से चेम्बर डक्ट पर गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई जिसे ईलाज के लिये जिंदल अस्पताल एम्बुलेंस से भेजा गया, जहां डाक्टर प्रदीप को चेक कर मृत घोषित किया गया। पीएम रिपोर्ट में मृतक की मृत्यु उंचाई से गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना लेख किये है। मर्ग जांच पर जेएसपीएल कंपनी के मैनेजर निशांत, असि. मैनेजर अविनाश आर्य, आमिल सोहेल, सुपरवाईजर बाटागोड कृष्णा एवं कारखाना प्रंबधन के द्वारा लापरवाहीपूर्वक बिना सेप्टी सुरक्षा के प्रदीप (मृतक) को काम करवाने से दुर्घटना घटित हुई। घटना के संबंध में आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 287, 304(ए), 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

7 मई को प्रदेश में कोरोना जांच का नया रिकॉर्ड, एक ही दिन में करीब 62 हजार सैंपलों की जांच

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए प्रदेश में 7 मई को रिकॉर्ड 61 हजार 939 सैंपलों की जांच की गई है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की शुरूआत के बाद से एक दिन में यह सर्वाधिक संख्या में सैंपलों की जांच है। राज्य में लगातार दूसरे दिन सैंपल जांच के आंकड़े ने 61 हजार की संख्या पार की है। विगत 6 मई को भी 61 हजार 344 सैंपलों की जांच की गई थी। 7 मई को दुर्ग संभाग के पांच जिलों में 12 हजार 409, रायपुर संभाग के पांच जिलों में 12 हजार 452, बिलासपुर संभाग के छह जिलों में 17 हजार 968, सरगुजा संभाग के पांच जिलों में 8562 तथा बस्तर संभाग के सात जिलों में दस हजार 548 सैंपलों की जांच की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव रेडियो पर कोविड प्रबंधन के बारे में देंगे जानकारी

रायपुर (आरएनएस)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा द्वारा तैयार रेडियो कार्यक्रम 'हमर ग्रामसभा' की 9 मई को 41वीं कड़ी प्रसारित की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव आकाशवाणी रायपुर से हर रविवार शाम साढ़े सात बजे से आठ बजे तक प्रसारित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण और रोकथाम के लिए शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी देंगे। वे कार्यक्रम में कोविड-19 से बचने के उपायों और आवश्यक सावधानियों के बारे में भी बताएंगे। कार्यक्रम को मीडियम वेब 981 किलो हट्र्ज पर सुना जा सकता है। प्रदेश में स्थित आकाशवाणी के सभी केन्द्र एक साथ इस कार्यक्रम को रिले करेंगे।

10 दिनों में मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन मशीन शुरू करने के कलेक्टर भीम सिंह ने दिये निर्देश

» कलेक्टर भीम सिंह ने निरीक्षण कर मशीन के इंस्टालेशन का लिया जायजा

» मेडिकल कॉलेज में जल्द शुरू होने जा रही है सीटी स्कैन मशीन

» कोविड मरीजों के इलाज में होगी सुविधा

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह ने आज मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने सीटी स्कैन मशीन के इंस्टालेशन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इंस्टालेशन के लिए भोपाल से पहुंचे इंजीनियर को सारा काम अगले 10 दिनों में पूरा कर मशीन चालू करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शेष बचे कार्य के संबंध में पूरी जानकारी ली। मशीन का इंस्टालेशन कर रहे इंजीनियर ने बताया कि सीटी स्कैन मशीन के टूल्स लगाए जा रहे हैं। इसके बाद मशीन को कैलीबरेट कर टेस्टिंग की जायेगी। इसके साथ ही यूपीएस व एसी की टेस्टिंग भी पूरी की जाएगी। जिसके बाद मशीन उपयोग के लिए तैयार हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज में यह मशीन चालू हो जाने से कोविड के मरीजों के इलाज मे आसानी होगी। गंभीर मरीज जिनके संक्रमण का स्तर देखने के लिए सीटी स्कैन किया जाना जरूरी होता है, यह सुविधा अब मेडिकल कॉलेज में ही मिलने लगेगी। इसके पूर्व सीटी स्कैन को इन्स्टाल करने के लिए पीडब्लूडी की ओर से मशीन का फाउंडेशन, एयर कंडीशनिंग और इलेक्ट्रिकल वर्क पूरे कर लिए गए थे। अब मशीन के इंस्टालेशन से जुड़े तकनीकी काम किये जा रहे हैं जिससे अगले 10 दिनों में यह मशीन इंस्टाल कर ली जाएगी। कलेक्टर सिंह ने सारे कार्य समय से पूरे करने के निर्देश दिये।

मेडिकल कॉलेज निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने यहां के ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट और मेनिफोल्ड के जरिये कोविड वार्डो में ऑक्सीजन सप्लाई का भी जायजा लिया। उन्होंने यहां पर सिलेंडर्स के जरिये होने वाले सप्लाई को देखा। उन्होंने कहा कि चूंकि अब बेड बढाये जा चुके हैं इसके अनुसार ही सिलेंडर्स कि व्यवस्था और उसके रिफिलिंग की प्लानिंग कर के रखें। उन्होंने सिलेंडर हैंडलिंग के लिए लगाए गए लोगों को भी प्रत्येक शिफ्ट में पर्याप्त संख्या में रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जॉइंट कलेक्टर श्रीमति नम्रता डोंगरे, ईई पीडब्लूडी आर.के.खाम्बरा, मेडिकल कॉलेज सुपरिन्टेन्डेन्ट डॉ.मनोज मिंज सहित अन्य विभागीय अधिकारी व मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक है ये सीटी स्कैन मशीन- रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में इंस्टाल की जा रही मशीन 128 स्लाइड्स की एडवांस कैपेसिटी वाली है। यह पूरे प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में इन्सटाल्ड सबसे आधुनिक मशीन है। 128 स्लाइड होने के कारण यह काफी कम समय में स्कैनिंग पूरी कर लेती है और कवरेज एरिया भी अधिक होता। इससे मिलने वाली इमेजेस की स्पष्टता भी अधिक होती है। कोविड मरीजों के फेफड़े में संक्रमण के स्तर की जांच के साथ ही यह मशीन सिर की चोट और मस्तिष्क में खून जमना, ब्रेन ट्यूमर, पैरालिसिस व अन्य बीमारियों, रीढ़ की हड्डी, पेट व चेस्ट से जुड़े रोगों व विभिन्न प्रकार के कैंसर की पहचान और बेहतर उपचार में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऑक्सीजन पाइप लाइन फिटिंग का काम समय से करें पूरा- मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर में 100 बेड बढ़ाने का काम भी पूरी तेजी से किया जा रहा है। इसके लिए फ्लोर पर पाइप लाइन विस्तार के साथ इसके लिए पृथक मेनिफोल्ड इंस्टालेशन का काम किया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने सारे कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए जिससे जल्द 100 ऑक्सीजन बेड मेडिकल कॉलेज में शुरू किया जा सके। ज्ञात हो कि मेडिकल कॉलेज के दूसरे फ्लोर में कोविड वार्ड बनाया गया है। जिसके पश्चात ऑक्सीजन बेड की बढ़ती जरूरत को देखते हुए कलेक्टर सिंह के निर्देश पर तीसरे और ग्राउंड फ्लोर पर तेजी से ऑक्सीजन बेड बढ़ाने का काम शुरू किया गया। तीसरे फ्लोर में 70 ऑक्सीजन बेड तैयार कर लिए हैं। ग्राउंड फ्लोर का काम भी अगले दो-तीन दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। जिससे यहां 170 अतिरिक्त बेड की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

राजधानी में साढ़े तीन करोड़ से अधिक की ठगी, मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में करोड़ों रूपए की ठगी का मामला सामने आया है। बता दें कि शातिर ठग ने बिल्डर बनकर केनरा बैंक से 3 करोड़ 60 लाख 41 हजार रूपए की ठगी की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने फर्जी चेक लगाकर बैंक के रायपुर शाखा से 3 करोड़ 60 लाख 41 हजार रूपए निकाले है। जिसके बाद वह फरार हो गया। बैंक ने जब चेक की राशि लेने बिहार के संबंधित सरकारी विभाग के संपर्क किया तब असलियत का खुलासा हुआ। बैंक वालों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक नागपुर के वर्धा रोड राजीव नगर निवासी सुभाष हरिश्चंद्र काली ने 8 मार्च 2021 को टाटीबंध स्थित केनरा बैंक में चालू खाता खुलवाया खाता खुलवाते समय उसने स्वयं को विष्णु लक्ष्मी डेवलपर्स एंड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रोपराइटर बताया था। साथ ही उसी फर्म के नाम पर खाता खोला था। आरोपी ने सात चेक लगाकर कुल रकम का आहरण किया है। दरअसल ठग ने बिहार रोड कार्पोरेशन लिमिटेड का चेक लगाया था। जबकि वह चेक उनके चेकबुक में ही नहीं था। जिसके बाद खुलासा हुआ कि ठग महाराष्ट्र का रहने वाला है।

बेवजह घूमने वालों को थाना प्रभारी करा रहे सड़क पर शारीरिक परिश्रम

» कहीं घंटों चौक में खड़े रहने का मिला दंड, कहीं समझाइश से बात बनी

रायगढ़ । कोरोना कर्फ्यू में बेवजह सड़कों पर घूम रहे युवाओं को थाना प्रभारी व स्टाफ जुर्माने के साथ दुबारा नियमों का उल्लंघन नहीं करने की शपथ दिलाकर सड़क पर शारीरिक परिश्रम कराया जा रहा है जिससे उन्हें सबक मिल सके। राजपत्रित अधिकारीगण भी प्रतिदिन चौंक चौराहों में स्टाफ के साथ व्यवस्था बनाते एवं अनावश्यक घूम रहे लोगों को समझाईश देते नजर आ रहे है। आज सुबह एसडीओपी सारंगढ़ जितेन्द्र खुंटे एवं थाना सारंगढ़ स्टाफ द्वारा अनावश्यक आवाजाही कर रहे लोगों से पूछताछ कर घंटों चौंक की पहरेदारी करने का दंड दिये। रात्रि सीएसपी अविनाश सिंह ठाकुर, डीएसपी अंजु कुमारी केवड़ाबाड़ी चौंक पर कोतवाली पुलिस के साथ आने-जाने वालों से पूछताछ कर बेवजह घूम रहे रहे लोगों के चालान कटवाये। जूटमिल टीआई अमित शुक्ला प्रतिदिन की तरह अपने क्षेत्र में अपने स्टाफ के साथ फुट पेट्रोलिंग कर बहानेबाजों को सड़क पर शारीरिक परिश्रम करने का दंड दिये।

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस लॉकडाउन का पालन कराने में सक्रिय दिखी। ग्राम भ्रमण करते छाल टीआई विवेक पाटले मुख्य मार्ग में निकले लोगों से उनके आवाजाही का कारण पूछे, सही कारण पर उन्हें मास्क देकर घरों में रहने की सलाह दिये वहीं बहानेबाजों को कान पकड़ने पड़े।

शारीरिक परिश्रम, जुर्माने के साथ समझाईश के जरिये भी लोग नियमों का पालन कर रहे हैं। कल सुबह चौकी प्रभारी खरसिया उप निरीक्षक नंद किशोर गौतम द्वारा एक जगह खड़े होकर फल, सब्जी बेचने वालों को चौकी लेकर आये, जिनकी आर्थिक स्थिति देखकर जुर्माना न कर कड़ी समझाइश देकर छोडे , जिसके बाद ठेलेवाले घूम-घूम कर फल, सब्जियां बेचते देखे गये। चौकी प्रभारी जोबी द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य कर रहे, ग्रामीणों को समझाइश दिए जाने पर फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन कर तेंदूपत्ता संग्रहण के कार्य में ग्रामीण लग गए।

कोविड टीके का दूसरा डोज समय पर लेना जरूरी

» दूसरी खुराक लेने पर बनती है पर्याप्त एंटीबाडी

रायगढ़ । कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण व बेहद जरूरी उपाय है। कोविड टीकाकरण के अंतर्गत टीके के 2 डोज लगाए जाते हैं। कोविशेल्ड टीका लगाया गया है तो पहला डोज लेने के 42 दिनों के बाद दूसरा डोज लगाना होता है और यदि को-वैक्सीन का टीका लगवाया गया है तो 28 दिनों के बाद दूसरा डोज लेना होता है।

कोरोना वायरस के नियंत्रण व रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया जा रहा है। कोविड-19 की वैक्सीन ऐसी हैं, जिनमें दोनों खुराक लेने पर ही यह पूरी तरह से असरदार होगी। जब पहली खुराक लगती है तो वह शरीर के प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय कर एंटीबाडी बनाती है। किन्तु इसकी मात्रा सीमित होती है। इसलिए जब टीके का दूसरा डोज लगता है तो पहले से बने एंटीबाडी की संख्या में वृद्धि होती है। तथा उसकी गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। जिससे वायरस के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता को ज्यादा मजबूती मिलती है। अतः टीके का पहला डोज लगाने के बाद निश्चित समय में दूसरा डोज जरूर लगवाना चाहिए।

दूसरे डोज के लिए फिर से रजिस्ट्रेशन की नही पड़ेगी जरूरत- डीआईओ डॉ.भानु पटेल ने बताया कि टीके की दूसरी डोज लेने के लिए फिर से किसी प्रकार के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नही होगी। दूसरा टीका लगवाने के लिए पहला टीका लगने के बाद जो सर्टिफिकेट मिला है उसके साथ उस दौरान जो फोटो पहचान पत्र लाभार्थी लेकर गए थे, उसे लेकर जाना होगा। उक्त जानकारी तथा मोबाइल नंबर के आधार पर हेल्थ विभाग के डेटाबेस से लाभार्थी की डिटेल मैच कर दूसरा टीका लगाया जा सकेगा। लाभार्थी को अपना फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से टीकाकरण के लिए लेकर जाना होगा तथा पहले टीका लगाने के दौरान जो फोन नंबर दिया था उसकी जानकारी भी देनी होगी।

होम आईसोलेशन पूर्णता प्रमाण-पत्र जिले की वेबसाईट से कर सकते है डाउनलोड

रायगढ़ । कोविड संक्रमित पाये जाने वाले ऐसे मरीज जिनका होम आईसोलेशन में उपचार चल रहा था, वे 17 दिनों के बाद अपना होम आइसोलेशन पूर्णता प्रमाण-पत्र जिला प्रशासन की वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रमाण पत्र डाउनलोड करने के लिए raigarh.gov.in में जाना होगा। जिसके पश्चात ड्रापडाउन मेनू में क्लिक कर 'नोटिस' ऑप्शन चुनना होगा। जिससे एक और ड्रॉपडाउन मेनू खुलेगा, उसमें से 'कोरोना संबंधित आदेश' विकल्प पर क्लिक करना होगा। यहां से एक नया पेज खुलेगा जिसमें 'होम आइसोलेशन पूर्णता प्रमाण पत्र' शीर्षक के अंतर्गत तिथिवार मरीजों के पूर्णता प्रमाण पत्र अपलोड किए गए हैं। अपनी होम आइसोलेशन में जाने से लेकर 17 दिन बाद की पूर्णता तिथि पर क्लिक करने पर वह फाइल डाउनलोड हो जाएगी। जिसमें से संबंधित व्यक्ति अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेगा। इसके साथ ही https: //raigarh.gov.in/notice_category/कोरोना/लिंक में जाकर सीधे पूर्णता प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकता है।

24×7 संचालित है होम आईसोलेशन कंट्रोल रूम - कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग रायगढ़ ने होम आइसोलेटेड कोविड मरीज और उनके परिजनों के उचित देखभाल हेतु आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता व परामर्श के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम 24×7 संचालित किया जा रहा है। इसमें 03 पालियों में चिकित्सकों की ड्यूटी लगायी गयी है। जिनके नंबर्स स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। जिस पर होम आईसोलेशन के दौरान सहायता के लिये काल कर संपर्क किया जा सकता है। होम आईसोलेशन सहायता केन्द्र सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक 7647921193, 7647921146, दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक 7647921172, 7647921147, रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक 7647921175, 7647921184 एवं 24×7 व्हाट्सअप्प पर परामर्श हेतु 7647921154, 7647921157 नंबर है। आपात काल एम्बुलेंस सेवा 108 एवं छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य हेल्प लाईन नंबर 104 है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में लैंडलाइन नंबर 07762-232668, 07762-228000 संचालित है जिसमें संपर्क कर सकते है।

रायगढ़ पुलिस समर्पण अभियान के तहत सिनीयर सिटीजनों का रख रही ख्याल

रायगढ़। दिनांक 06/05/2021 को वर्चुअल मीटिंग में एसपी संतोष सिंह द्वारा सभी थाना क्षेत्रान्तर्गत जरूरतमंदों की भोजन एवं ड्राई राशन वितरण किये जाने की जानकारी लिये एवं प्रभारियों को जरूरतमंदों या अन्य किसी को खाद्य सामग्री के अलावा मेडिकल सुविधा अथवा किसी प्रकार की समस्या के लिये कॉल या सम्पर्क करे तो उसकी यथासम्भव मदद मुहैया कराये जाने निर्देशित किया गया था। साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी प्रभारियों को कहा गया कि वे रायगढ़ पुलिस द्वारा समर्पण अभियान के तहत रजिस्ट्रेशन किये गये 1524 सिनीयर सिटीजनों से सम्पर्क करें, स्वयं मिले, उनका हालचाल जाने एवं उनकी भोजन, हेल्थ या किसी अन्य प्रकार की समस्या हो तो उनका तत्काल

निराकरण किया जावे, जिसकी जानकारी उन्हें तथा नोडल अधिकारी ट्राफिक डीएसपी पुष्पेंद्र बघेल को नोट कराई जाये।

समर्पण अभियान के जिला नोडल अधिकारी डीएसपी पुष्पेंद्र बघेल बताये कि वर्चुअल मीटिंग में एसपी संतोष सिंह सर द्वारा सभी थाना, चौकी प्रभारीगण को समर्पण अभियान के तहत रजिस्ट्रेशन किये गये 1524 सिनीयर सिटीजनों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जानने, उन्हें जरूरत की सामाग्री उपलब्ध कराने कहा गया था जिस पर सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत निवासरत सिनीयर सिटीजन से प्रभारीगण मिले। उनमें ड्राई फूड, मास्क का वितरण किया गया है। उन्हें संक्रमण को देखते हुए उन्हें घरों में रहने तथा मेडिकल,

दवाईयों या अन्य किसी प्रकार की सहायता पर गांव के सरपंच, पंच या परिचित से पुलिस हेल्प डेस्क के नम्बर 94791-93208 अथवा संबंधित थाना प्रभारी को फोन कर जानकारी देने कहा गया है जिससे उन्हें शीघ्र सुविधा दी जा सके।

डीएसपी ट्राफिक बताये कि पुलिस

अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन पर सोशल पुलिसिंग के जरिये लॉकडाउन के समय से जिला पुलिस अनेक प्रकार से लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य कर रही है। सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत जरूरतमंदों, असहाय, सड़कों तथा दूकानों के बाहर आश्रय करने वालों को पुलिस हेल्प डेस्क से प्रतिदिन रेडू-टू-इट पैकेट प्रदाय किया जा रहा है।

सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत जरूरतमंदों के अलावा भी कई घरों में सूखा राशन का वितरण लगातार किया जा रहा है। थाना प्रभारीगण इसके अलावा भी लोगों की मेडिकल हेल्प व अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले दिनों पुलिस चौकी प्रभारी जूटमिल टीआई अमित शुक्ला द्वारा समर्पण अभियान के जरूरतमंद बुजुर्गों से भेंट कर उनकी आवयश्कताएं पूछा गया और उन्हें सूखा राशन के साथ भाप मशीन(वेपोराइजर) देकर उन्हें भाप लेने का तरीका बताया गया। थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक अभिनव कांत सिंह एवं थाना स्टाफ समर्पण अभियान के तहत जोड़े गये वृद्धजनों के साथ वृद्धा आश्रम एवं मुकबधिर बच्चों के आश्रम में जाकर राशन एवं खाद्य सामग्री के साथ मास्क, सेनीटाइजर प्रदान किया गया है। थाना प्रभारी द्वारा उन्हें करोना से बचाव के सुरक्षा विकल्प बताया गया। इसी प्रकार सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत जिला पुलिस अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए समर्पण अभियान के निराश्रित एवं वृद्धजनों को सुखा राशन, मास्क प्रदाय कर उनका कुशलक्षेम जाना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480